सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी
(केन्द्रिक) 2014 सेट-3
(बाहरी दिल्ली)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

लोकतंत्र के तीनों पायों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपना-अपना महत्व है किन्तु जब प्रथम दो अपने मार्ग या उद्देश्य के प्रति शिथिल होती हैं या संविधान के दिशा-निर्देशों की अवहेलना होती है तो न्यायपालिका का विशेष महत्व हो जाता है। न्यायपालिका ही है जो हमें आईना दिखाती है, किन्तु आईना तभी उपयोगी होता है जब उसमें दिखाई देने वाली चेहरे की विद्रपता को सुधारने का प्रयास हो। सर्वोच्च न्यायालय के अनेक जनहितकारी निर्णयों को कुछ लोगों ने न्यायपालिका की अतिसक्रियता माना, पर जनता को लगा कि न्यायालय सही है। राजनीतिक चश्मे से देखने पर भ्रम की स्थिति हो सकती है।

प्रश्न यह है कि जब संविधान की सत्ता सर्वोपरि है तो उसके अनुपालन में शिथिलता क्यों होती है। राजनीतिक-दलगत स्वार्थ या निजी हित आड़े आ जाता है और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है। हम कसमें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के। ऐसे तत्वों से देश को, समाज को सदा खतरा रहेगा। अतः जब कभी कोई न्यायालय ऐसे फैसले देता है जो समाज कल्याण के हों और राजनीतिक ठेकेदारों को उनकी औकात बताते हों तो जनता को उसमें आशा की किरण दिखाई देती है। अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

(ख) लोकतंत्र में न्यायपालिका कब विशेष महत्वपूर्ण हो जाती है? क्यों? **(2)**

(ग) आईना दिखाने का क्या तात्पर्य है और न्यायपालिका कैसे आईना दिखाती है? **(2)**

(घ) 'चेहरे की विद्रपता' से क्या तात्पर्य है और यह संकेत किनके प्रति किया गया है? **(2)**

(ङ) भ्रष्टाचार का जन्म कब और कैसे होता है? **(2)**

(च) जनता को आशा की किरण कहाँ और क्यों दिखाई देती है? **(2)**

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए: **(2)**

'अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।'

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए: **(1)**

विद्रूपता

(झ) सरल वाक्य में बदलिए: **(1)**

'हम क़समें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के।'

2. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(1×5=5)**

तरुणाई है नाम सिंधु को उठती लहरों के गर्जन का,

चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिनके जीवन का।

विफल प्रयासों से भी दूना वेग भुजाओं में भर जाता,

जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरन्तर नाता।

पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,

जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।

अचल खड़े रहते जो ऊँचा, शीश उठाए तूफ़ानों में,

सहनशीलता दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।

वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,

प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

(क) कवि ने किसका आह्वान किया है और क्यों?

(ख) तरुणाई की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

(ग) चट्टानों से टक्कर लेने का क्या तात्पर्य है?

(घ) मार्ग की रुकावटों को कौन तोड़ते हैं और कैसे?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए:

'जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।'

खण्ड-'ख'

3. नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: **(5)**

(क) पहला सुख-निरोगी काया

(ख) नारी तुम केवल श्रद्धा हो

(ग) आज का विद्यार्थी और भारत

(घ) लोकतंत्र और चुनाव

4. रेलवे के आरक्षित डिब्बों में भी अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। **(5)**

अथवा

किसी प्रमुख समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख कीजिए और कुछ गाँवों के बीच विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाले अस्पताल खोलने का सुझाव दीजिए।

5. (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:

(i) पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं?

(ii) एडवोकेसी पत्रकारिता क्या है?

(iii) संपादकीय किसे कहते हैं?

(iv) 'डैड लाइन' का क्या आशय है?

(v) 'फ़ीचर' की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) 'गाँवों में फैलता फ़ैशन' अथवा 'हताशा में आशा की किरण युवा' विषय पर आलेख लिखिए। **(5)**

6. 'चुनाव-पूर्व सर्वेक्षण' **अथवा** 'त्योहारों के नाम पर अपव्यय' में से किसी एक विषय पर फ़ीचर का आलेख लिखिए। **(5)**

खण्ड-'ग'

7. प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(2×4=8)**

मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,

मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,

है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता

मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,

सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ

जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,

मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

(क) 'निज उर के उद्‌गार' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ख) कवि को संसार क्यों प्रिय नहीं है?

(ग) संसार की विषमताओं के बीच भी कवि कैसे जी रहा है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए:

'मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।'

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,

बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।

जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,

कहैं एक एकन सों कहाँ जाइ का करी?

वेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ विलोकिअत

साँकरे सबैं पै राम ! रावरें कृपा करी।

दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु !

दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।

(क) कवि ने लोगों को जीविकाविहीनता का चित्रण कैसे किया है?

(ख) कवि ने रावण की तुलना किससे की है और क्यों?

(ग) राम-भक्ति के सन्दर्भ में कवि का क्या कहना है?

(घ) आपके विचार से तुलसी को हाय-हाय कहने की नौबत क्यों आई?

8. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(2×3=6)**

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे

भोर का नभ

राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से

कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

नील जल में या किसी की

गौर झिल-मिल देह

जैसे हिल रही हो।

(क) प्रातःकालीन आकाश की तुलना किससे की गई है और क्यों?

(ख) काव्यांश का बिंब-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

तिरती है समीर-सागर पर

अस्थिर सुख पर दुख की छाया-

जग के दग्ध हृदय पर

निर्दय विप्लव की प्लावित माया-

यह तेरी रण-तरी

भरी आकांक्षाओं से

(क) काव्यांश के अलंकार सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(3×2=6)**

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज़, करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है' - सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

(ख) ''बादल राग' कविता में निराला ने शोषितों की वेदना को स्वर दिया है' - टिप्पणी कीजिए।

(ग) फ़िराक गोरखपुरी की रुबाइयों से उभरने वाले वात्सल्य के किन्हीं दो चित्रों को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(2×4=8)**

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दु:ख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज़ में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पितशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतना कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत-कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक।

(क) अवधूत किसे कहते हैं? लेखक शिरीष को अवधूत क्यों मानता है?

(ख) यह हज़रत' कौन हैं? उनकी किस विशेषता का उल्लेख किया गया है?

(ग) शिरीष की किस विशेषता के कारण लेखक वनस्पतिशास्त्री के कथन को सच मानता?

(घ) कबीर कौन थे? उनका उल्लेख लेखक ने क्यों किया है?

अथवा

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावत: ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी।

(क) विमाता ने कौन-सा समाचार देर से भेजा और क्यों?

(ख) सास ने लक्ष्मी से क्या कहकर मायके भेजा और क्यों?

(ग) लक्ष्मी का मायके आने का उत्साह कब और कैसे ठंडा पड़ा?

(घ) लक्ष्मी पर इस समूची घटना की क्या प्रतिक्रिया हुई?

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- **(3×4=12)**

(क) बाज़ार जाते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) 'भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी', पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्टि कीजिए।

(ग) सूखे के समय इंदर सेना पर पानी डालना कहाँ की बुद्धिमानी है? लेखक की इस उलझन को उसकी जीजी ने किस तरह सुलझाया?

(घ) सीमाएँ बँट जाने से दिल नहीं बँटा करते, नमक' कहानी में इस बात को किस तरह सिद्ध किया गया है?

(ङ) "अभी चालीं चैप्लिन पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है।" लेखक ने यह बात क्यों और किस सन्दर्भ में कही है?

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(2×2=4)**

(क) 'जूझ' के लेखक को मराठी अध्यापक क्यों अच्छे लगते थे? दो कारण लिखिए।

(ख) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर भूषण के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) मुअनजो-दड़ो का शाब्दिक अर्थ क्या है? यह कहाँ स्थित है?

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(3×2=6)**

(क) वाई.डी. पंत का आदर्श कौन था? उसके व्यक्तित्व की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'जूझ' के लेखक का पिता उसे पढ़ने से क्यों रोकना चाहता था? दताराव को उसने लेखक की किन आदतों के बारे में बताया?

(ग) कला की दृष्टि से हड़प्पा-सभ्यता समृद्ध थी' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

14. "सिल्वर वेडिंग' वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है," सोदाहरण सिद्ध कीजिए। **(5)**

अथवा

महिलाओं के बारे में ऐन फ्रेंक के विचार वर्तमान जीवन-मूल्यों के अनुसार कितने प्रासंगिक हैं? सोदाहरण विवेचन कीजिए।